श्री हरिभद्रसूरि शास्त्रसंग्रह-सुरत

॥ પઢમં નાણં તઓ દયા ॥

तारीख: 21-01-2023

कार्यदक्ष संचालक श्री
आचार्यश्री सुरेंद्रसूरी जैन तत्त्वज्ञान शाळा

हमारे गुरुदेव आचार्य देव श्रीमद् विजययोगतिलक सूरि म.सा.के मार्गदर्शनानुसार हमारे यहाँ पर एक विशाल ज्ञानभंडार का निर्माण हुवा हें। जहां पर पसंदगी के करीबन ५५,००० (पचास हजार) से भी अधिक पुस्तके संगृहीत हें। ओर भी विद्वान जगत में आदर प्राप्त असंख्य प्रकाशन संगृहीत करना चाहते है। यहा प्रतिदिन अनेक साधु-साध्वीजी भगवन्तो का ओर गृहस्थ महानुभवो का लाभ मिल रहा है।

इस ज्ञानभंडारमें हम आपकी औरसे तैयार की गई अमूल्य पुस्तको को भी संगृहीत करना चाहते हें।
साथमें आपके प्रकाशन के दो सूचिपत्र भी, भेजे एसी हम आपसे आशा रखते हैं।
इसके लिए मूल्य देना जरुरी हो तो हमें कितना और केसे देना होगा वो बताइऐगा।

- **आनंदघन चोविशी (दो नक़ल)**

आभार के साथ
ग्रंथपाल
निर्मित पी.महेता
फोन नं.: ९६ ९६ ९६ ४१ ३१

C/o शांति कनक श्वे.मू.पू.जै.संघ, कदम्ब भवनके सामने, टीमलीयावाड, नानपुरा, सुरत-395001. मो. 096 96 96 4131. समयः 8.00-6.00